

Padma Shri



DR. JATINDER KUMAR BAJAJ

Dr. Jatinder Kumar Bajaj is the Director of the Centre for Policy Studies and currently Member of the National Commission to Examine Sub-categorisation of the Other Backward Classes appointed by the President of India.

2. Born on 21st March, 1952 at Giddarbaha in Sri Muktsar District of Punjab, Dr. Bajaj had his early education at Government School, Giddarbaha and D.A.V. College Amritsar. He earned an M.Sc. (Honours) degree in 1973 and Ph.D. (Theoretical Physics) in 1978 from the Department of Physics, Punjab University, Chandigarh. During his research career, he has worked at the Indian Institute of Technology, Kanpur and Bombay and at the Department of Theoretical Physics, University of Madras, Chennai.

3. In 1990, Dr. Bajaj along with a few colleagues founded the Centre for Policy Studies at Chennai with the objective of comprehending India from an Indian perspective. The Centre has produced an extraordinary corpus of work that places different aspects of the Indian situation today in historical and Civilisational continuity with our past and thus offers innovative ways of looking at and solving some of our current problems. In their seminal work, *Annam Bahu Kurvita* he and his colleagues, poignantly invoke the classical discipline of producing and sharing food in plenty and invite the India of today to reclaim that heritage of abundance. In their detailed exploration of the Religious Demography of India, they urge India to be aware of and recover the demographic balance essential for maintaining social harmony and civilizational continuity. In their sustained work on Mahatma Gandhi, they present him as the greatest exponent of Indian civilization, who challenges the India of today to achieve national greatness in the modern times while standing firm and securely anchored in our civilizational ways and commitments.

4. The continuing work of Dr. Bajaj on several localities of northern Tamil Nadu in the eighteenth century has provided a concrete micro-level description of the functioning of pre-British Indian polity in its various dimensions. He has also initiated a programme to create micro-level Resource Atlases that graphically document the distinct attributes of the land, and people of every district and locality of India. He has produced such Atlases for several districts of Madhya Pradesh and a couple of localities of Tamil Nadu.

5. Dr. Bajaj has served and continues to serve as a member of the Governing Councils and Advisory Committees of several apex organizations under the Government of India in the fields of education, social sciences and science and technology. He has also served as an independent director on the board of Hindustan Aeronautics Limited.

पद्म श्री



डॉ. जतिंदर कुमार बजाज

डॉ. जतिंदर कुमार बजाज सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज के निदेशक हैं और वर्तमान में, वह भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग उप-वर्गीकरण जांच आयोग के सदस्य हैं।

2. 21 मार्च, 1952 को पंजाब के श्री मुक्तसर जिले के गिद्धबाहा में जन्में, डॉ. बजाज ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरकारी स्कूल, गिद्धबाहा और डी.ए.वी. कॉलेज अमृतसर से प्राप्त की। उन्होंने भौतिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से 1973 में एम.एससी. (ऑनर्स) और 1978 में पीएच.डी. (सैद्धांतिक भौतिकी) की डिग्री हासिल की। अपने शोध के दौरान, उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और बॉम्बे तथा सैद्धांतिक भौतिकी विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में कार्य किया है।

3. 1990 में, डॉ. बजाज ने भारत को भारतीय दृष्टिकोण से समझने के उद्देश्य से, कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर चेन्नई में सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज की स्थापना की। इस केंद्र ने एक असाधारण कार्य कोष तैयार किया है जो हमारे अतीत के साथ आज की भारतीय स्थिति के विभिन्न पहलुओं को ऐतिहासिक और सभ्यतागत निरंतरता में रखता है, और इस प्रकार हमारी कुछ वर्तमान समस्याओं पर गौर करने और उन्हें हल करने के अभिनव तरीके पेश करता है। अपने मौलिक कार्य, 'अन्नम बहू कुर्विता', उन्होंने और उनके सहयोगियों ने, प्रचुर मात्रा में खाद्य उत्पादन और साझेपन के पारम्परिक अनुशासन पर बल दिया और वर्तमान भारत को प्रचुरता वाली विरासत फिर से प्राप्त करने का आह्वान किया। भारत की धार्मिक जनसांख्यिकी के अपने विस्तृत अन्वेषण के अंतर्गत, वे भारत से आग्रह करते हैं कि वह सामाजिक सद्भाव और सभ्यतागत निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक जनसांख्यिकीय संतुलन के बारे में जागरूक बने और उसे पुनः प्राप्त करे। महात्मा गांधी पर अपने अनवरत कार्य में, वे उन्हें भारतीय सभ्यता के सबसे बड़े प्रतिपादक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जो भारत को अपनी सभ्यता के तरीकों और प्रतिबद्धताओं पर अडिग और दृढ़ रहकर आधुनिक समय में राष्ट्रीय महानता प्राप्त करने के लिए ललकारते हैं।

4. डॉ. बजाज ने ब्रिटिश पूर्व अठारहवीं शताब्दी के उत्तरी तमिलनाडू के इलाकों में भारतीय राजवंश के विभिन्न आयातों के तहत कामकाज का एक ठोस सूक्ष्म-स्तरीय विवरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने सूक्ष्म-स्तरीय संसाधन एटलस बनाने के लिए एक कार्यक्रम भी शुरू किया है, जो भारत के हर जिले और इलाके के लोगों और भूमि की खास विशेषताओं का ग्राफिक रूप से दस्तावेजीकरण करता है। उन्होंने मध्य प्रदेश के कई जिलों और तमिलनाडु के कुछ इलाकों के लिए ऐसे एटलस तैयार किए हैं।

5. डॉ. बजाज ने शिक्षा, सामाजिक विज्ञान तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत सरकार के अधीन कई शीर्ष संगठनों की शासी परिषदों और सलाहकार समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया है और कर रहे हैं। उन्होंने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।